Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER



कक्षा – 11

व्यवसाय अध्ययन

व्यवसाय के आधार – 1

अध्याय – 2
व्यावसायिक संगठन के स्वरूप

भाग – 12

संयुक्त पूंजी कम्पनी (गुण एवं सीमाएँ)

रूचिका सैनी

Under CSR Support by
ipca | Foundation

विवरण (Overview)

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER



1. एकल स्वामित्व
2. संयुक्त हिंदू परिवार व्यवसाय
3. साझेदारी
4. साझेदारों के प्रकार
5. साझेदारी के प्रकार
6. सहकारी संगठन
7. संयुक्त पूंजी कम्पनी
8. कम्पनी के प्रकार
9. व्यावसायिक संगठन के स्वरूप का चयन
10. संगठन के स्वरूप के चुनाव को प्रभावित करने वाले कारक

Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

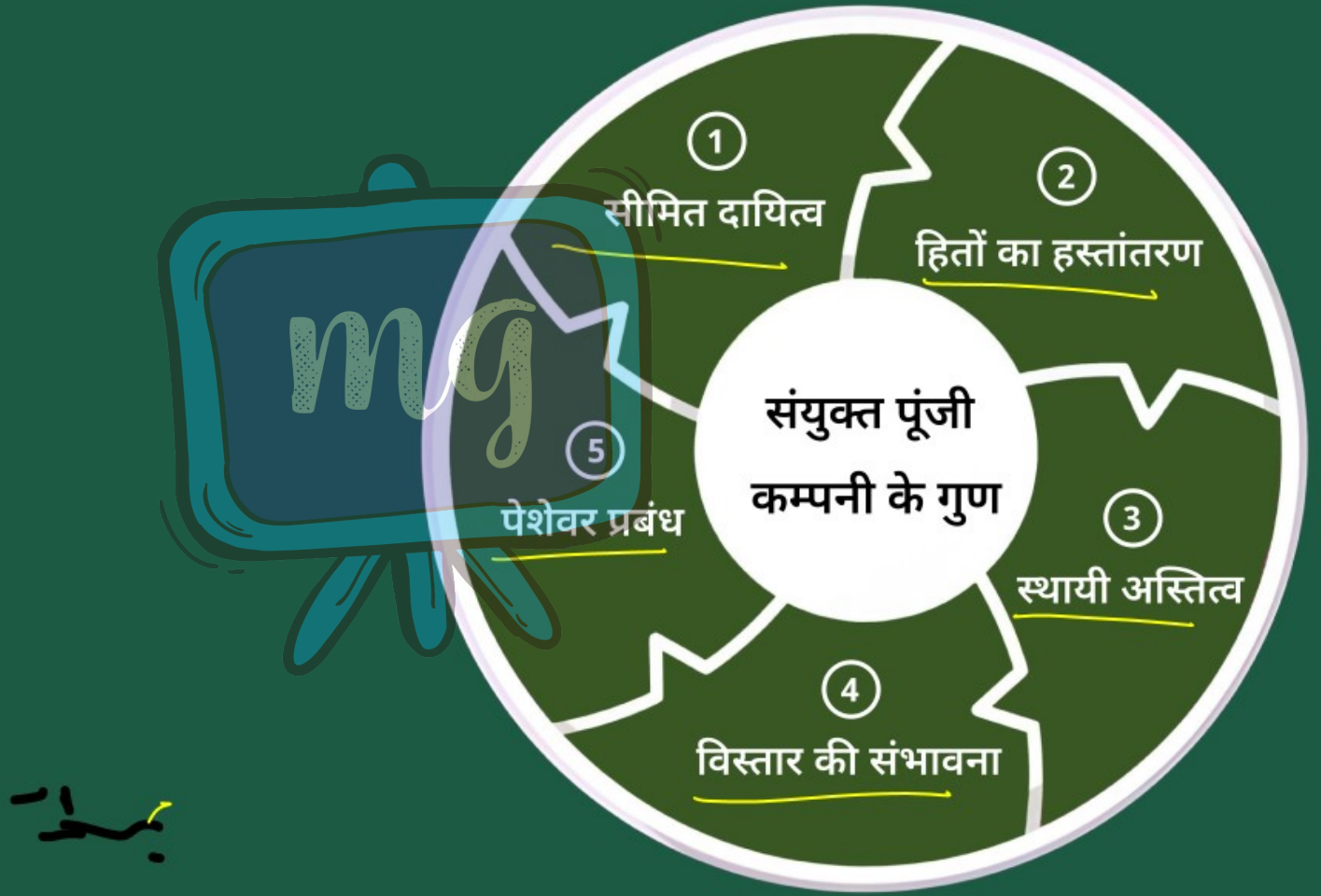

Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

संयुक्त पूंजी कम्पनी के गुण

1. सीमित दायित्व (Limited liability) : अंशधारक अपने अंशों की अदत्त राशि की सीमा तक उत्तरदायी होते हैं तथा ऋणों के निपटान के लिए कंपनी की परिसंपत्तियों का ही उपयोग किया जा सकता है।

Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

2. हितों का हस्तांतरण (Transfer of interest) :

स्वामित्व के हस्तांतरण में सरलता कंपनी में निवेश का अतिरिक्त लाभ है, क्योंकि एक सार्वजनिक कंपनी के अंशों को बाज़ार में बेचा जा सकता है तथा आवश्यकता पड़ने पर इन्हें आसानी से रोकड़ में बदला जा सकता है।

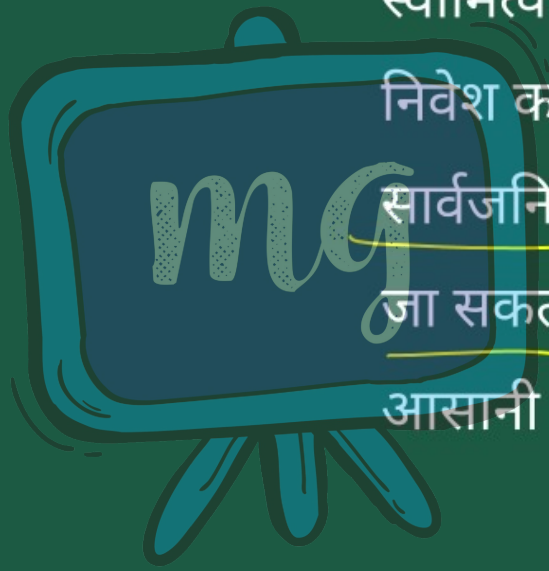

Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

3. **स्थायी अस्तित्व** (Perpetual existence) :

कंपनी का अपने सदस्यों से पृथक अस्तित्व होता है तथा इस पर उनकी मृत्यु, अवकाश ग्रहण, त्याग-पत्र, दिवालिया होना एवं पागलपन का कोई प्रभाव नहीं पड़ता।



Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

4. **विस्तार की संभावना (Scope for expansion) :**

संगठन के एकल स्वामित्व और साझेदारी में तुलना करने पर एक कंपनी के पास वित्त के अधिक स्त्रोत हैं। एक कंपनी जनता से धन की व्यवस्था के साथ-साथ बैंक और वित्तिय संस्थानों से ऋण भी ले सकती है। इसमें विस्तार की व्यापक संभावना है।

Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

5. पेशेवर प्रबंध (Professional management) :

कंपनी, विशेषज्ञों एवं पेशेवर लोगों को ऊँचा वेतन देने में सक्षम होती है इसलिए वह विभिन्न क्षेत्रों में निपुण लोगों को नियुक्त कर सकती है।

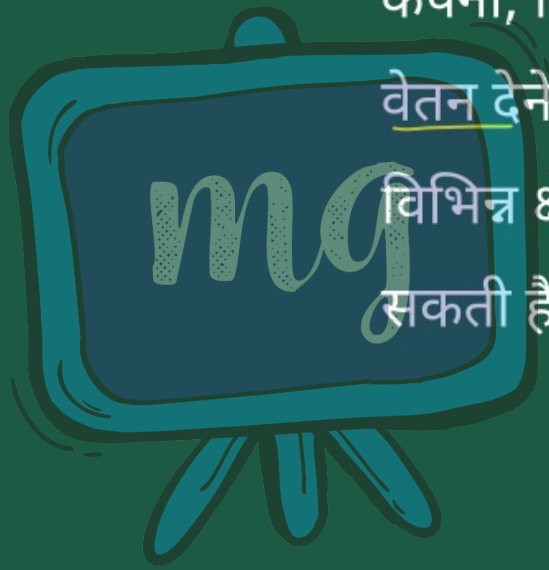

Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

संयुक्त पूंजी कम्पनी की सीमाएँ

1. निर्माण में जटिल (Complexity in formation) : कंपनी के निर्माण के लिए अधिक समय, प्रयत्न एवं कानूनी आवश्यकताओं एवं निर्माण प्रक्रिया के विस्तृत ज्ञान की आवश्यकता होती है।



Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

2. गोपनीयता की कमी (Lack of secrecy) : कंपनी को समय-समय पर कंपनी रजिस्ट्रार के कार्यालय में अनेकों सूचनाएँ देनी होती हैं। ये समस्त सूचनाएँ जनसाधारण को उपलब्ध होती हैं। इसीलिए कंपनी प्रचालन के संबंध में पूरी गोपनीयता रखना कठिन होता है।



Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

3. अवैयक्तिक कार्य वातावरण (Impersonal work environment) : स्वामित्व एवं प्रबंध में पृथकता से एक ऐसा वातावरण बन जाता है जिसमें कंपनी के अधिकारीगण न तो प्रयत्न करते हैं और न ही व्यक्तिगत रूप से रुचि लेते हैं।



Under CSR Support by ipca | Foundation

missiongyan LET'S LEARN TOGETHER

4. अनेकानेक नियम (Numerous regulations) :

☛ कंपनी के कार्य संचालन के संबंध में कई कानूनी प्रावधान एवं बाध्यताएँ हैं।

☛ कंपनी पर अंकेक्षण, वोट देने, विवरण जमा करने एवं प्रलेख तैयार करने के संबंध में अनेकों प्रतिबंध होते हैं तथा इसे रजिस्ट्रार, सेबी, कंपनी लॉ बोर्ड जैसी अनेकों संस्थाओं से विभिन्न प्रमाण पत्र लेने होते हैं।

Under CSR Support by ipca | Foundation

missiongyan LET'S LEARN TOGETHER

5. निर्णय में देरी (Delay in decision making) :

कंपनी का प्रबंध लोकतांत्रिक ढंग से निदेशक मंडल के माध्यम से होता है, न केवल निर्णय लेने में बल्कि उन्हें क्रियान्वित करने में देरी होती है।



Under CSR Support by ipca | Foundation

missiongyan LET'S LEARN TOGETHER



6. अल्पतंत्रीय प्रबंधन (Oligarchic management):

- कंपनी एक लोकतांत्रिक संस्था है, जिसमें निदेशक मंडल स्वामियों यानि कि अंशधारकों के प्रतिनिधि होते हैं परंतु व्यवहार में अधिकांश बड़े आकार के संगठनों में, जिनमें बड़ी संख्या में अंशधारी होते हैं, स्वामियों का कंपनी के नियंत्रण एवं उसके संचालन में बहुत कम हाथ होता है।
- कभी-कभी वह अंशधारकों के हितों के विरुद्ध भी इसका उपयोग करते हैं।

Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

7. हितों का टकराव (Conflict in interests) :

कंपनी के विभिन्न अंशधारकों के हितों में टकराव हो सकता है। जैसे - कर्मचारियों की रुचि ऊँचे वेतन में होगी।





संयुक्त पूंजी कम्पनी के गुण और सीमाएँ

मूल्यांकन (Assessment)



1 किस कंपनी के अंशों को बाजार में बेचा जा सकता है?

- अ निजी कंपनी
- ब सार्वजनिक कंपनी (ब)
- स सहकारी समिति
- द साझेदारी



2 कंपनी को किस प्रकार का व्यक्ति माना गया है–

अ प्राकृतिक व्यक्ति

ब कृत्रिम व्यक्ति (ब)

स सार्वभौमिक व्यक्ति

द इनमें से कोई नहीं



3 कंपनी के अंशों को क्रय करते है–

अ ऋणपत्रधारी

ब अंशधारी

स साझेदार

द प्रवर्तक